NIRMAL BHARAT ABHIYAN (NBA)

निर्मल

भारत

अभियान

1.4.2012

निर्मल भारत अभियान के उददेष्य

- ग्रामीण परिक्षेत्र के सामान्य रहन–सहन में सुधार लाना।
- वर्ष 2022 तक ग्रामीण क्षेत्र में 100% शौचालय कवरेज।
- समुदाय एवं पंचायती राज संस्थाओं को जागरूक एवं स्वास्थय षिक्षा के द्वारा स्थायी स्वच्छता के प्रति तैयार करना।

निर्मल भारत अभियान के उददेष्य

- सभी स्कूलो एवं आंगनवाडियों मे मार्च 2013 तक स्वच्छता सुविधाए उपलब्ध कराना।
- सुरक्षित एवं स्थायी स्वच्छता हेतू सस्ती तकनीकी को प्रोत्साहित करना।
- समुदाय संचालित तरल एवं ठोस कचरा प्रबंधन तंत्र विकसित करना।

निर्मल

भारत

क्यों

जरुरी है

मल

हानिकारक

क्यों

है।

स्वच्छता वाहक / दूत

- ग्राम पंचायत परिक्षेत्र को खुले में शौच मुक्त करने हेतू व्यवहार परिर्वतन, स्वास्थ्य एवं जल सुरक्षा, ठोस एवं तरल कचरा प्रबंधन हेतू आम आदमी को ग्राम पंचायत स्तर पर सलाहकार रखना।
- ग्राम पंचायत परिक्षेत्र को खुले में शौच मुक्त रखने हेतू प्रषिक्षण लोगो का कैडर विकसित करना।
- व्यक्तिगत घरों, समुदाय, पंचायत पंच, जल एवं स्वच्छता कर्मी, आषावर्कर, आंगनवाडी वर्कर, स्वयं सहायता समूहो, खण्ड एवं कलस्टर स्मन्वयको के मध्य मजबूत स्मन्वय रखना।

- जागरूकता के द्वारा स्थायी स्वच्छता रख–रखाव निर्माण सुनिषचित करना एवं मिस्त्रीयों का पैनल तैयार करना।
- बच्चों के मल के उचित निपटान हेतू स्कूलों एवं आंगनवाडियों के बच्चों में व्यवहार परिर्वतन हेतू जागरूकता उत्पन्न करना।
- निर्मल भारत अभियान का सोशल ऑडिट करवाना।
- निर्मल भारत अभियान के अर्न्तगत मजबूत मोनीटरिंग सिस्टम बनाना।

स्वच्छता दूतो की योग्यता

- ग्राम पंचायत का निवासी होना चाहिए।
- अपने घर में शौचालय हो और खुले में शौच न करता हो।
- लोकल भाषा अच्छे से बोलता एवं समझता हो।

स्वच्छता दूत की जिम्मेदारियॉ

- समुदाय में सुरक्षित स्वच्छता हेतू विभिन्न माध्यमो के द्वारा जागरूकता पैदा करना।
- सामाजिक मानचित्रीकरण।
- खुले में शौच का मान–चित्रीकरण।
- शर्मसार यात्रा।
- मल का ऑकलन।
- प्रदूषण का मानचित्रीकरण।
- मल का मुहॅ तक प्रसारण ।

स्वच्छता दूत की जिम्मेदारियाँ

- ग्राम पंचायत के प्रत्येक गॉव एवं ढाणी सहित विस्तृत जानकारी रखना।
- ग्राम पंचायत, गॉव या ढाणी में कुल घर ए. पी.एल./बी.पी.एल. जाति, लिंग, योग्यता इत्यादि।
- परिवार में शौचालय है या नही यदि है, तो कितने सदस्य प्रयोग करते है।

स्वच्छता दूत की जिम्मेदारियाँ

- बच्चों के मल के निपटान का तरीका।
- खाने से पहले एवं शौच के पष्चात साबुन से हाथ धोना हॉ या नही।
- जल जनित बीमारियों की घटना हॉ/नही।
- कचरा प्रबंधन का तरीका।
- पानी के प्रयोग का तरीका।
- जल एवं स्वच्छता कमेटी का गठन सप्ताह के निषचित दिन पर तथा बैठक करना।

स्वच्छता दूत की जिम्मेदारियाँ

- प्रत्येक माह मीटिंग में गांम पंचायत की स्वच्छता स्थिति का आंकलन करना जैसे कि साफ सफाई – सुरक्षित पीने का पानी ठोस एवं तरल कचरा प्रबंधन।
- रेगुलर, स्कूल एवं आंगनवाडी विजिट कर स्वच्छता स्थिति का आंकलन करना।
- सुबह प्रार्थना के समय बच्चों से यूरिनलस एवं शौचालयों के प्रबंधन एवं के बारें में विचार–विमर्ष करना।

स्वच्छता दूत की जिम्मेदारियाँ

- बच्चों के मध्य, पैंटिग एवं बाद–विवाद प्रतियोगिताओ का आयोजन करना।
- बच्चों की बाल संसद का गठन।
- प्रत्येक वर्ष स्वच्छता सप्ताह मनाना।
- स्कूलों को स्वच्छता रैली के लिए प्रेरित करना फोकस समूह के प्रत्येक घर पर बच्चों द्वारा वाद–विवाद।
- स्वयं सहायता समूहों के साथ को बढावा देने हेतू मीटिंग करना तथा स्वच्छता सदस्यों को शौचालय निर्माण हेतू ऋण देने के लिए प्रेरित करना ।

स्वच्छता दूत की जिम्मेदारियॉं

- स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को बच्चों के मल के सही निपटान के तौर तरीको को अपनाने हेतू प्रेरित करना।
- आषा वर्करों एवं आंगनवाडी वर्करो के माध्यम से, जल का सही तरीके से प्रयोग, बच्चों के मल का सही निपटान खाने से पहले एवं शौच के बाद साबुन से हाथ धोने का मैसेज होम विजिट के दौरान सभी घरों पर देना सुनिषचित करना।

स्वच्छता दूत की जिम्मेदारियाँ

- गॉव के मुख्य स्थानों जैसे कि स्कूल, आंगनवाडी इत्यादि में नारा लेखन करवाने एवं पोस्टर हेतू स्मनव्य करना।
- सस्ते शौचालय बनाने विधि एवं तरीको के बारे में समुदाय को जागरुक करना।